RNI : UPMUL00620/24/1/2014-TC ISSN : 2394-4366

अभिनव गवेषणा

(त्रैमासिक अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका)

संरक्षक मण्डल

रघुनन्दन सिंह भदौरिया (विधायक, छावनी-कानपुर), **डॉ. राम शरण श्रीवास्तव** (पूर्व आई. ए. एस.), **मानवेन्द्र स्वरूप** (एडवोकेट), सचिव - दयानन्द शिक्षण संस्थान

प्रधान सम्पादक **डॉ. शिव बालक द्विवेदी**

सम्पादक **डॉ. रश्मि चतुर्वेदी**

एसोसिएट प्रोफेसर (हिन्दी), महिला महाविद्यालय पी. जी. कालेज, किदवई नगर, कानपुर (उत्तर प्रदेश)

सम्मान एवं पुरस्कार - हिन्दी अकादमी दिल्ली तथा भारतीय दलित साहित्य अकादमी दिल्ली, नेशनल एण्ड इण्टरनेशनल कम्पेनडियम नई दिल्ली द्वारा सम्मानित, कालिदास अकादमी दिल्ली द्वारा 'विद्योत्तमा' (मानदोपाधि) सम्मान, अखिल भारतीय संस्कृत प्रचारिणी समिति, कानपुर द्वारा 'हिन्दी वाचस्पति' सम्मानोपाधि, उत्तर प्रदेश के राज्यपाल माननीय श्री रामनाईक जी द्वारा 'प्रज्ञा भारती' मानदोपाधि सम्मान।

लेखन एवं सम्पादन - दलित चिन्तन एवं लेखन, हिन्दी काव्य, कहानी, नाटक, व्यंग्य-लेख तथा अनेक साहित्यिक, सामाजिक, समीक्षापरक लेख विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित, व्याख्यापरक 7 पुस्तकें प्रकाशित। 'वार्षिक पत्रिका' महिला महाविद्यालय, 'श्रृंखला' (ए मल्टी डिस्पलनरी इण्टरनेशनल जर्नल) तथा 'दि गुँजन' त्रैमासिक अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका के सम्पादक मण्डल में। **सदस्य** - मध्य प्रदेश दलित साहित्य अकादमी उज्जैन, मध्य प्रदेश लेखक संघ भोपाल, प्रगतिशील लेखक संघ, कानपुर 'सक्षम' राष्ट्रीय संगठन, नागपुर, बाल गरीब व अनाथ सेवा समिति उत्तर प्रदेश, अखिल भारतीय कवयित्री सम्मेलन। **निवास एवं सम्पर्क** - सी-2/27 जी, गुलमोहर विहार, नौबस्ता, कानपुर (उत्तर प्रदेश) मो.- 08004516668, 7565857808, **E-mail : rashmi1968smailbox@rediff.com**

सम्पादक मण्डल

● **Dr. Jai Prakash Bharadwaj Prof. Hindi Language & Literature, University of Rome La Sopienza, P. Le. Aldo Moro, Rome,** ● **Dr. Veena Sharma H. O. D. Curriculum Development Hindi Society, Singhapore,** ● **Dr. Tanuja Pudarvth Bee Harry Head of Dept.-Hindi (RTSS) Mauritius,** ● **Dr. Alok Kumar (Principal) Chinmaya Degree College, Haridwar (UK)** ● **डॉ. जी. एल. श्रीवास्तव** (प्राचार्य) आरमापुर पी. जी. कालेज, कानपुर (उ. प्र.), ● **डॉ. स्वदेश श्रीवास्तव** (प्राचार्य) हरसहाय पी. जी. कालेज, पी रोड, कानपुर (उ. प्र.), ● **डॉ. मीता जमाल** (प्राचार्या) दयानन्द गर्ल्स पी. जी. कालेज, कानपुर (उ. प्र.), ● **डॉ. इन्दु यादव** (प्राचार्या) महिला महाविद्यालय पी. जी. कालेज, किदवई नगर, कानपुर (उ. प्र.), ● **डॉ. नूतन वोहरा** (प्राचार्या) ए. एन. डी. कालेज, हर्ष नगर, कानपुर (उ. प्र.), ● **डॉ. शालिनी मिश्रा** (प्राचार्या) ज्वालादेवी पी. जी. कालेज, कानपुर (उ. प्र.)।

हिन्दी -

डॉ. मधुकर खराटे (विभागाध्यक्ष-हिन्दी), कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, बोदवड, अध्यक्ष - महाराष्ट्र हिन्दी परिषद एवं सिनेटर उ. म. वि. जलगाँव (महा.)

डॉ. विजय प्रकाश उपाध्याय प्राचार्य किशोरीरमण पी. जी. कालेज, मथुरा (उत्तर प्रदेश)

डॉ. अलका द्विवेदी, जुहारी देवी पी. जी. कालेज, कानपुर

डॉ. इन्द्रदेव आर सिंह श्रीमती आर पी भालोडिया महिला कालेज, कोलकी रोड, उपलेटा, राजकोट (गुज)

डॉ. कृष्णकान्ति दीक्षित डी. ए. वी. कालेज, कानपुर

डॉ. आशा वर्मा डी.बी.एस. (पी.जी.) कॉलिज, कानपुर

अंग्रेजी -

डॉ. रश्मि सिंह विभागाध्यक्षा ए. एन. डी. कालेज कानपुर

डॉ. मंजू तिवारी डी. ए. वी. कालेज, कानपुर

डॉ. सुचित्रा मिश्रा महिला महाविद्यालय, कानपुर (उ.प्र.)

डॉ. निवेदिता टण्डन डी. जी. (पी.जी.) कालेज, कानपुर

संस्कृत-

डॉ.प्रदीपकुमार दीक्षित अकबरपुर महा., अकबरपुर, कानपुर
डॉ. अर्चना श्रीवास्तव महिला महाविद्यालय, कानपुर
डॉ. आशारानी पाण्डेय डी. जी. (पी.जी.) कालेज, कानपुर
डॉ. शक्ति पाण्डेय डी जी. (पी.जी.) कालेज, कानपुर

शिक्षाशास्त्र -

डॉ. ममता दीक्षित महिला महाविद्यालय, कानपुर (उ.प्र.)
डॉ. शशीरानी अवस्थी डी. जी. (पी. जी.) कालेज, कानपुर
डॉ. स्नेह पाण्डेय डी. जी. पी. जी. कालेज, कानपुर

राजनीतशास्त्र -

डॉ. कपिल बाजपेई डी. ए. वी. कॉलेज, कानपुर
डॉ. पप्पी मिश्रा डी जी. (पी.जी.) कालेज, कानपुर
डॉ. मनोरमा गुप्ता डी. ए. वी. कॉलेज, कानपुर

अर्थशास्त्र -

डॉ. हरीशचन्द्र जोशी कुमाऊ विश्वविद्यालय, नैनीताल
डॉ. अशोक कैथल लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
डॉ. नरेश कुमार गर्ग एस एम जे एन पीजी कालेज, हरिद्वार
डॉ. अखिलेश दीक्षित आरमापुर पीजी कालेज, आरमापुर, कानपुर

मनोविज्ञान -

डॉ. ममता खरे कानपुर विद्या मंदिर पीजी कालेज, कानपुर
डॉ. मोनिका सहाय एस.एन.सेन. पी.जी. कालेज, कानपुर

समाजशास्त्र -

प्रो. एस. एन. चौधरी, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
डॉ. मृदुला शुक्ला कानपुर विद्या मंदिर पीजी कालेज, कानपुर
डॉ. भावना महिला महाविद्यालय, कानपुर (उ.प्र.)

इतिहास -

डॉ. समर बहादुर सिंह डी. ए. वी. कॉलेज, कानपुर (उ.प्र.)
डॉ. मीरा त्रिपाठी महिला महाविद्यालय, कानपुर (उ.प्र.)
डॉ. अर्चना शुक्ला एम.के.पी.(पीजी)कालेज, देहरादून (उत्तरा.)
श्रीमती सुमन शुक्ला गवर्नमेन्टगर्ल्स डिग्रीकालेज, बांगर-कन्नौज

रसायन विज्ञान -

डॉ. एस.एन.राम विभागाध्यक्ष जनता कालेज बकेवर, इटावा
डॉ. अर्चना पाण्डेय ब्रह्मानन्द डिग्री कॉलेज, कानपुर
डॉ. दिव्य ज्योति मिश्र जनता कालेज बकेवर, इटावा

भौतिक विज्ञान -

डॉ. ए. के. अग्निहोत्री ब्रह्मानन्द डिग्री कॉलेज, कानपुर
डॉ. प्रकाश दुबे जनता कालेज बकेवर इटावा

जन्तु विज्ञान -

डॉ. प्रवर वासू निगम हर सहाय पी. जी. कॉलेज, कानपुर

वनस्पति विज्ञान -

डॉ. जे. पी. शुक्ला डी .बी. एस. (पी.जी.) कालेज, कानपुर

विधि (लॉ) -

डॉ. रमण अवस्थी ब्रह्मानन्द डिग्री कॉलेज, कानपुर
डॉ. सुरेन्द्र सिंह तोमर ब्रह्मानन्द डिग्री कॉलेज, कानपुर

वाणिज्य -

डॉ. ब्रजेश उपाध्याय महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, सतना (मध्य प्रदेश)
डॉ. नवनीत कुमार बाजपेई डी. ए. वी. कालेज, कानपुर
डॉ. प्रदीप कुमार त्रिपाठी डी. ए. वी. कालेज, कानपुर
डॉ. पंकज पाण्डेय वी. एस. एस. डी. कालेज, कानपुर
श्री योगेश शुक्ला जनता कालेज, बकेवर, इटावा (उ. प्र.)

भूगोल-

प्रकाशचन्द्र सान्याल डीएसबी कैम्पस कुमायूँयूनि., नैनीताल (उत्तरा.)
ऋचा त्रिपाठी पी. पी. एन. कालेज, कानपुर
प्रमोद कुमार सिंह गुरू अंगद देव महाविद्यालय, बाजपुर, कुमायूँ यूनिवर्सिटी, उत्तराखण्ड

चित्रकला -

डॉ. हृदय गुप्त डी. ए. वी. कॉलेज, कानपुर (उ.प्र.)
डॉ. वन्दना शर्मा महिला महाविद्यालय पीजी कालेज, कानपुर

संगीत एवं वादन -

डॉ. निष्ठा शर्मा महिला महाविद्यालय, कानपुर (उ. प्र.)
डॉ. सुनीता द्विवेदी जुहारीदेवी डिग्री कालेज, कानपुर (उ.प्र.)

पुस्तकालय विभाग -

डॉ. आलोक श्रीवास्तव डी.बी.एस. पी.जी. कॉलेज, कानपुर
डॉ. विपिन कुमार श्री वार्ष्णेय पी.जी. कॉलेज, अलीगढ़ (उ. प्र.)

प्रबन्ध सम्पादक एवं प्रकाशक

सर्वेश तिवारी 'राजन'

सभी संपादकीय दायित्व पूर्णतः अवैतनिक हैं।

नोट- प्रकाशित आलेखों के विचारों से सम्पादक व प्रकाशक की सहमति अनिवार्य नहीं है। समस्त वाद का क्षेत्र कानपुर होगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं प्रबन्ध सम्पादक सर्वेश तिवारी `राजन'** द्वारा **पूजा प्रिन्टर्स** हमीरपुर रोड, नौबस्ता, कानपुर-22 से मुद्रित एवं **सुपर प्रकाशन** के-444 `शिवराम कृपा', विश्व बैंक बर्रा, कानपुर-208027 से प्रकाशित। सम्पादक- **डॉ. रश्मि चतुर्वेदी मो.- 08004516668 **सम्पर्क** - मो.- 08896244776, 09335597658,

E-mail: super.prakashan@gmail.com, Website : www.superprakashan.com

संपादकीय

किसी भी देश की मूल चेतना और उसकी संस्कृति की आत्मा उस देश की राष्ट्रभाषा में निहित होती है। कहा जाता है कि किसी देश को नष्ट करना है तो उसकी भाषा को नष्ट कर दीजिए; वह देश अपने आप मिट जायेगा। इसी संदर्भ में महात्मा गाँधी ने कहा था कि- 'राष्ट्र भाषा के बिना राष्ट्र गूँगा है।' आज के तकनीकि युग में जहाँ ज्ञान और सूचना ही शक्ति का आधार है; ऐसे में भाषा का प्रश्न भी मह वपूर्ण हो गया है। वर्तमान जनसंचार माध्यमों के अनियन्त्रित या यूँ कहें अराजक प्रसार ने आज हिन्दी भाषा के सामने यह संकट ला खड़ा किया है। भाषा पर जिस तरह का हमला आज जन संचार माध्यमों द्वारा किया जा रहा है, वह दिन दूर नहीं जब हम अपनी भाषा खोजने के लिए किसी संग्रहालय में डायनासोर की तरह ककाहरे की पुस्तकें पलट रहे होंगे। आज हिन्दी के बहुत से विद्वानों को पूरा ककहरा भी नहीं आता है। देववाणी संस्कृत की तरह यह कहकर कि 'वह देवताओं के साथ स्वर्ग में चली गयी।' उसी तरह हिन्दी को अपनी मूल जड़ों से काटने का यह प्रयास जन संचार माध्यमों द्वारा किया जा रहा है। साइबर स्पेस में उड़ने वाली इण्टरनेटी, काकटेली हिन्दी के नाम पर हिन्दी की हत्या करना, उसे विकृत करना आज कितना औचित्यपूर्ण है? यह हमला किसी अन्य राज्य की भाषा द्वारा नहीं वरन् अंग्रेजी का है।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं जन संचार विश्वविद्यालय के एक शोध के अनुसार पिछले 7 वर्षों में हिन्दी समाचार पत्रों में अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग 13 गुना बढ़ गया है। बेधड़क अंग्रेजी शब्दों के प्रयोग के कारण हिन्दी के सुगम और प्रभावी शब्द भी हिन्दी समाचार पत्रों से बाहर हो गये हैं। अंग्रेजी के शब्दों के प्रयोग के पीछे जो तर्क दिया जाता है, उसके अनुसार युवाओं से संवाद की भाषा के नाम पर, नये और तकनीकि शब्दों को ज्यों का त्यों ग्रहण किया जाना, नवीन वैश्विक संस्कृति के निर्माण के नाम पर, हिन्दी के सरलीकरण और आम बोलचाल की भाषा के नाम पर भी अंग्रेजी शब्दों का बेहिसाब प्रयोग किया जाता है। हिन्दी की इस नयी शैली को 'हिंग्लिश' कहा जा रहा है। आज के मौजूदा दौर में तकनीकि विकास के नाम पर जो खेल-खेला जा रहा है वह भाषाई साम्राज्यवाद की दिशा में बढ़ता हुआ कदम है, यानि हिन्दी में अकारण ही अंग्रेजी के इतने शब्द ठूँसे जायें कि हिन्दी का दम घुट जाये। मैकाले अपनी कब्र में करवट बदल कर हँस रहा है कि यह देश आज भी मेरे भाषाई चंगुल में है।

प्रिन्ट मीडिया के अतिरिक्त इलैक्ट्रानिक संचार माध्यम हो या विज्ञापन जगत अथवा मोबाइल की दुनियाँ सभी के सभी आज हिन्दी भाषा को विकृत और अशुद्ध करने में लगे हैं और एफ. एम. रेडियो ने हिन्दी का सबसे अधिक बेड़ा गर्क किया है। रेडियो जैकी द्वारा प्रयोग की जाने वाली कॉकटेली हिन्दी समाज की मानसिकता की द्योतक है। यही नहीं हमारे युवाओं ने फेसबुक और व्हाट्सएप पर प्रयोग की जाने वाली रोमन हिन्दी को भी शार्टकट में प्रयोग कर भाषा का तांडव मचा रखा है। आज सोशल मीडिया पर प्रयुक्त ऐसी भाषा जिसमें संकेताक्षरों का, भाव-चिन्हों का प्रयोग खूब हो रहा है। महानगर, शहर और कस्बे सभी इसकी चपेट में हैं। कम से कम हम लोग उन शब्दों के लिए तो अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग न करें जिसके लिए हिन्दी में शब्द उपलब्ध हैं। जब मैं किसी से यह कहते हुए सुनती हूँ कि 'मेरे अँकल की डॉटर की मैरिज है।' तो मुझे लगता है कि यह हिन्दी की हत्या है। इन संचार माध्यमों को भाषा के साथ इस प्रकार का खिलवाड़

RNI : UPMUL00620/24/1/2014-TC ISSN : 2394-4366

नहीं करना चाहिए।

बड़े शर्म की बात है; गुमशुदा की तलाश है; हिन्दी अपने घर-मायके में ही खोजी जा रही है; हिन्दी दिवस, सप्ताह और पखवाड़ा मना रही है। ठीक उसी तरह जैसे नागपंचमी को हम नाग की पूजा कर उसे दूध पिलाते हैं और सालभर डण्डा दिखाते हैं। खैर, हिन्दी के नाम पर यह 'विधवा-विलाप', 'राष्ट्रीय स्यापा' बन्द करें और हिन्दी की शुद्धता पर स्वयं जागरुक बनें। लोगों में हिन्दी के प्रति एक हीन भावना है; हिन्दी बोलने में लोग आत्म-लज्जा का भाव रखते हैं और ऐसा भ्रम भी है कि अंग्रेजी बोलकर एक अलग प्रभाव पड़ता है। जब कि आज हिन्दी रोजगारपरक भाषा है। बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को भी आज हिन्दी बोलने वालों की आवश्यकता पड़ रही है। कॉल सेन्टर इसके ज्वलन्त उदाहरण हैं। जर्मनी, जापान और चीन की तरह भारत के नेट जगत में हिन्दी भी सर्च इंजन 'मूषक' का प्रादुर्भाव हो चुका है।

अन्ततः मैं यही कहना चाहूँगी कि नये शब्दों को गढ़ना और उनके प्रचलन का कार्य संचार माध्यम ही करते हैं। अच्छा होगा कि बोलचाल की भाषा के नाम पर भाषा से खिलवाड़ न करते हुए उसकी शुद्धता को बनाये रखा जाय। मेरा किसी भाषा से विरोध नहीं है, आप विभिन्न भाषाओं के विद्वान बनिए लेकिन अपनी भाषा की शुद्धता को बनाये रखिए। इस दौर में यदि सिर्फ अपने घरों में ही हिन्दी को हम जीवित रखें रहें तो यह भाषा निश्चित रूप से एक दिन यू. एन. ओ. की भाषा बनेगी।

कोटि-कोटि कण्ठों की भाषा, जन-जन की मुखरित अभिलाषा।
हिन्दी है पहचान हमारी, हिन्दी हम सब की परिभाषा।।

- **डॉ. रश्मि चतुर्वेदी** (सम्पादक)

अनुक्रम

सम्पादक मण्डल, सम्पादकीय

(छाया चित्र प्रथम) संस्कृत की अप्रतिम सेवा के लिए **प्रधान संपादक - डॉ. शिवबालक द्विवेदी** को सम्मानित करते ततत्कालीन **प्रधानमंत्री- श्री अटल बिहारी बाजपेई** एवं कार्यालय में **प्रधान संपादक - डॉ. शिवबालक द्विवेदी**

(छाया चित्र द्वितीय) दलित चिन्तक एवं यशस्वी संपादक - **डॉ. रश्मि चतुर्वेदी**

1-	**सशक्त व्यंगकार - सुधीर ओखदे**	- डॉ. मधुकर खराटे	07
2-	**संविधान और सामाजिक न्याय में डॉ. अम्बेडकर जी के विचार**	- डॉ. अंजू पाण्डेय, डॉ. अनुपमा मिश्रा	12
3-	**मानवतावादी दृष्टिकोण और नरेश मेहता का साहित्य**	- आरती	19
4-	**महात्मा गाँधी का आर्थिक चिन्तन**	- डॉ. भानुप्रताप सिंह	22
5-	**चन्द्रकान्ता के कथा-साहित्य में आतंकवाद**	- डॉ. स्वाती रमेश नारखेड़े	25
6-	**सम्पोषी विकास : आज की आवश्यकता**	- डॉ. शिवकुमार सिंह	29
7-	**शिक्षक - शिक्षा में चुनौतियाँ**	- सुषमा कुमारी	32
8-	**सौन्दर्य के कलात्मक प्रतिमान स्थापित करने में महिला सौन्दर्य एवं जनसंचार माध्यमों की भूमिका**	- डॉ. राजकिशोरी सिंह	33
9-	**मालती जोशी कृत 'गोपनीयता' में नारी अस्तित्व का संघर्ष**	- डॉ. मृदुला वर्मा	36
10-	**गिजुभाई की बाल केन्द्रित शिक्षा और वर्तमान शिक्षा के संदर्भ में उसका अनुप्रयोग**	- डॉ. शिवानी निगम	39
11-	**हिन्दी एवं अंग्रेजी साहित्य में व्यक्त स्त्री-पुरुष सम्बन्ध**	- डॉ. एम. डी. पटेल	44
12-	**महोत्सवों का महापर्व 'कुम्भ'**	- नीरज कुमार वर्मा	48
13-	**प्राचीन भारतीय शिक्षा का विश्लेषण**	- सुमित्रानन्द श्रीवास्तव	52
14-	**'वैश्वीकरण के दौर में हिन्दी सन्त साहित्य की प्रासंगिकता**	- डॉ. ऋषिपाल	57
15-	**ममता कालिया का कथासाहित्य : परिवेशगत यथार्थ**	- रूपा म. नाईक	60
16-	**शैक्षिक उपलब्धि एवं सामाजिक पर्यावरण के सम्बन्ध में तुलनात्मक अध्ययन**	- डॉ. शालिनी विश्वकर्मा	63
17-	**हिन्दी उपन्यासों में दलितों की सांस्कृतिक चेतना**	- डॉ. रमाकान्त	66
18-	**चन्देलों की वास्तु-पीठ : खजुराहो**	- मोनिका गुप्ता	69
19-	**महाभारत युद्ध का तिथि, मास - निर्णय**	- डॉ. परेश जे. गजेरा	72
20-	**साँस्कृतिक पुनरुत्थान में युवा पीढ़ी का योगदान**	- डॉ. कुसुम कुमारी सिंह	77

21-	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के काव्य साहित्य में राष्ट्रीय चेतना के स्वर	- डॉ. इन्द्रदेव रामकुँवर सिंह	80
22-	'जैनेन्द्र के उपन्यासों में नारी भावना'	- डॉ. कंचनलता यादव	84
23-	'भारतीय संविधान और धर्मनिरपेक्षता : एक विवेचन'	- डॉ. तीर्थमणि त्रिपाठी	87
24-	भारतीय नवजागरण तथा नारी मुक्त	-विमल कुमार सिंह	91
25-	**Changing Face of War**	- Dr. Kanchan Mishra	**95**
26-	**Alternative Agriculture Production Planning**	- Dr. Pradeep Kumar Tripathi	**107**
27-	**Natural Hazards and Disasters in West Bengal Tropical Cyclone & Flood**	- Dr. Antara Maity	**110**
28-	**College of Culture and Religion in Khushwant Singh's `The Company of Women' & `Delhi'**	- Dr. Ranjana Srivastava & - Dr. Manju Srivastava	**115**
29-	**Rural Market Potential Overlapping the Urban Environment & Trends**	- Dr. Gunjan Agarwal & - Shivam Jindal 118	**118**
30-	**An Introduction of Air Quality Index**	- Pramod Kumar Singh	**125**
31-	**India's Relation with the Developing Nation's**	- Dr. R. K. Tripathi	**129**
32-	**Pt. Nehru's Vision and thought on Nationalism**	- Smt. Suman Shukla	**133**
33-	**Promoting Values in Higher Education**	- Dr. Sadhana Pandey	**135**
34-	**`Indian Footwear Industry & Managing Human Resource Requirement, A Case Study'**	- Dr. Atul Asthana -	**139**
35-	**Raja Rao : The Philosopher - Novelist**	- Dr. Seema Nigam & Dr. Priya Srivastava	**146**
36-	**`A Critical of the General Problems faced by the Children of the Employed Mothers'**	- Dr. Kirti Verma & Sadhana Yadav	**150**
37-	**Cloud Computing : Its Working**	- Dr. Kshama Tripathi	**154**
38-	**`A Comparative Study of Petrol Car and CNG Car Puschasing Preferences Adopted by Customers'**	- Jairald John Jauhari	**158**
39-	**`The Direction and vision of Environmental Values in Present Scenario**	- Dr. Sneh Pandey	**161**
40-	**R. K. Narain's `New Woman' : A Feminist Perspective**	- Mrs. Alka Dixit	**164**
41-	**Treatment of the Downtrodeen in the Works of Munsi Premchand**	- Dr. Kanak Singh	**167**

◈◈